October 2020

एनएसआई में नया प्रशिक्षण केंद्र व सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट

प्लाट का कार्य देखते निदेशक प्रो नरेन्द्र मोहन।

कानपुर, 5 अक्टूबर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर कैंपस में एक नये प्रशिक्षण केंद्र तथा उससे सम्बद्ध छात्रावास की स्थापना को ध्यान में रखते हुए सस्थान में एक 150 किलोलीटर प्रतिदिन की क्षमता वाले नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया है। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि वर्तमान में संस्थान परिसर में ऐसे कई अन्य नये सुविधाओं का विकास किया जा रहा है जिसके कार्य पूर्ण होने पर निश्चित वाहित जल (सीवेज) की मात्रा में बढ़ोत्तरी होगी। अत संस्थान में पहले से कार्यरत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता को ध्यान में रखते हुए ही इस नयी ईकाई को स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इस इकाई मोविंग बेड बायो-रियेक्टर टेक्नोनाली पर आधारित है। जिसकी डिजाइन का विकास संस्थान में ही किया गया है। इस सीवेज ट्रीटमेंट प्लाट को तैयार करने एवं स्थापित करने में मेमर्स यू वाई ट्रिएनविरो प्रा. लि. ने सहयोग दिया। सहा. आचार्य अशोक गर्ग ने बताया कि सीवेज को छानने के उपरांत बायो रियेक्टर में तथा वहां से एयरेशन के उपरांत से ट्यूब सेटरल में भेजा जाता है। यहां अपशिष्ट को अलग करते हुए जल को निकाल दिया जाता है। इस प्रकार से कुशल प्रबंधन से संस्थान में सचालित ट्यूबवेल के कार्यभारको कम करते हुए प्राकृतिक संसाधन के रूप में जल को संरक्षित किया जा सकेगा।

शर्करा संस्थान में सीवेज के शोधित जल का प्रयोग होगा कृषि कार्य में

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में नये प्रशिक्षण केन्द्र तथा उससे संबद्ध छात्रावास की स्थापना को ध्यान में रखते हुए 150 किलोलीटर प्रतिदिन की क्षमता वाला नया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया गया है।

संस्थान के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन के अनुसार यह इकाई ' मूविंग बेड बॉयोरिएक्ट टेक्नोलॉजी' पर आधारित है, जिसकी डिजाइन का विकास संस्थान में ही किया गया है। संस्थान के शर्करा प्रौद्योगिकी के सहायक आचार्य अशोक गर्ग का कहना है कि इसमें सीवेज को छानने के उपरांत बॉयो रिएक्टर में तथा वहां से एयरेशन के उपरांत ट्यूब सेटलर में भेजा जाता है, जहां अपशिष्ट को अलग करते हुए जल को निकाल लिया जाता है। इसके बाद क्लोरीन तथा पाउडर्ड एक्टिव कार्बन द्वारा उसकी गुणवत्ता में सुधार किया जाता है और इस जल का उपयोग कृषि कार्य में किया जाता है। इससे संस्थान में जल को संरक्षित किया जा सकेगा।

शर्करा संस्थान में सीवर के शोधित जल से होगी खेती।

150 किलोलीटर प्रतिदिन की क्षमता वाला नया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया गया

एनएसआई में बना 150 किलो लीटर का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में सीवेज की दिक्कत न हो, इसके लिए 150 किलोलीटर प्रतिदिन की क्षमता वाले नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना की गई है। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि परिसर में एक नया प्रशिक्षण केंद्र व छात्रावास की स्थापना हुई है, इससे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की आवश्यकता थी। यह प्लांट मूविंग बेट बॉयो-रिएक्टर टेक्नोलॉजी पर आधारित है। इसका डिजाइन संस्थान में ही किया गया है। संस्थान के अशोक गर्ग ने बताया कि सीवेज को छानने के बाद बॉयो रिएक्टर में और वहां से एयरेशन से ट्यूब सेटलर में भेजा जाता है।